D. B. College, Jaynagar
Deptt of pol. science
B.A-III, Pub- Admini.

Dr. A. K. Yadav
Asstt prof. in P.T.T
Political science

Date- 04-11-2020

Nov- Lecture-No- 04, And 05

फ्रेडरिक टेलर के क्रियाशील अध्यक्षता की अवधारणा—

फ्रेडरिक टेलर ने अपने वैज्ञानिक प्रबंध के सिद्धांत में क्रियाशील अध्यक्षता (Functional foremanship) की अवधारणा का विकास किया है। उसने कार्यात्मक अध्यक्षता के सिद्धांत के अंतर्गत साधारण रूप से प्रशिक्षित आठ पर्यवेक्षकों से कामगारों को आदेश प्राप्त करने की प्रणाली पर बल दिया है। इस प्रणाली के अंतर्गत कार्य को केवल कामगारों के बीच ही नहीं बाँटा जाता है बल्कि पर्यवेक्षक स्तर पर भी विभाजित किया जाता है। आठ कार्यात्मक अधिकारियों में उसने चार को योजना तथा चार को कार्या-वयन के लिए उत्तरदायी बनाया है-

योजना अधिकारियों में निम्नलिखित हैं—

1- कार्य एवं रूटिन क्लर्क
2- निर्देशन कार्ड क्लर्क
3- समय एवं लागत क्लर्क तथा
4- दुकान प्रबन्धक

इसी प्रकार कार्या-वयन स्तर के चार अधिकारियों को उसने निम्नलिखित नाम दिया —

1- गैंग प्रमुख
2- मरम्मत प्रमुख
3- गति प्रमुख
4- निरीक्षक

Scanned with CamScanner

टेलर की यह मान्यता थी कि वैज्ञानिक प्रबन्ध के सिद्धांतों पर आधारित इन संगठनों के कार्य प्रमुखों को शीघ्रता से प्रशिक्षित किया जा सकता है जिससे कार्य में विशेषीकरण आसान हो जाता है। टेलर ने एक अच्छे कार्यात्मक प्रमुख के लिए तकनीकी ज्ञान, शारीरिक तत्परता, शक्ति, चतुरता, धैर्य, साहस, विवेकशीलता, अच्छे स्वास्थ्य के गुणों पर बल दिया है।

टेलर की मानसिक क्रांति की अवधारणा :-

टेलर के अनुसार वैज्ञानिक प्रबन्ध की सफलता हेतु कर्मचारियों एवं प्रबन्धक में 'मानसिक क्रांति' उत्पन्न करने की आवश्यकता है। मानसिक क्रांति इस बात पर बल देती है कि कामगारों तथा प्रबन्धकों का पारस्परिक हित एक-दूसरे का विरोधी नहीं है। पारस्परिक समृद्धि पारस्परिक सहयोग से ही सम्भव है। टेलर के अनुसार प्रत्येक संगठन में कार्य के अनुचित विभाजन के कारण कामगारों तथा प्रबन्धकों के बीच टकराव रहता है, जिससे बचने के लिए उन्हें मानसिक दृष्टि बदलना आवश्यक होगा तथा एक-दूसरे को सहयोग देकर विश्वास करके कार्य करना होगा।

टेलर का मत था कि संगठन के कामगारों तथा प्रबन्धकों दोनों को उत्पादकता बढ़ाने के लिए मिलकर कार्य करना चाहिए और इन्हें तब तक करते रहना चाहिए, जब तक की उत्पादन इतना अधिक न हो जाए कि श्रमिकों को अच्छी मजदूरी, प्रबन्धकों को अच्छा लाभ तथा उपभोक्ताओं को कम मूल्यों में उत्तम उत्पादित वस्तु उपलब्ध हो जाए। इस प्रकार टेलर ने वैज्ञानिक प्रबन्ध के अन्तर्गत मानसिक क्रांति की अवधारणा को प्रचलित उत्पादन केन्द्रों पर टकराव के स्थान पर शांति तथा सामंजस्य का वातावरण पैदा करने का प्रयास किया है।

संक्षेप में टेलर के उपर्युक्त वैज्ञानिक प्रबन्ध के सिद्धांतों द्वारा काम के 'काम-चलाऊ' तरीके के स्थान पर काम के वैज्ञानिक तरीके पर बल दिया गया है। सीमित उत्पादन के स्थान पर अधिकतम उत्पादन को प्राथमिकता दी गई है। कार्य की अकुशलता के स्थान पर कार्यकुशलता में वृद्धि करने का प्रयास किया गया है तथा कामगारों और प्रबन्धकों के बीच मेल-मिलाप, सहयोग तथा समृद्धि के विकास पर बल दिया गया है।

टेलर द्वारा प्रतिपादित वैज्ञानिक प्रबन्ध के सिद्धांत को हेनरी फेयोल, फ्रैंकी लिलियन, गिलब्रेथ ने काफी प्रचारित और प्रसारित किया जिसका अमेरिका तथा यूरोप में व्यापक प्रभाव पड़ा तथा वैज्ञानिक प्रबन्ध का सिद्धांत एक आंदोलन का रूप ग्रहण कर इन महाद्वीपों की औद्योगिक समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

Scanned with CamScanner